किसी व्यक्ति के सचमुच नई सृष्टि बनने के चिन्ह क्या हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

जब कोई व्यक्ति नया जन्म पाता है, तो वह तुरन्त मसीह में एक नई सृष्टि बन जाता है। लेकिन यह कैसे सिद्ध होता है कि यह परिवर्तन वास्तव में हो चुका है? क्या केवल पश्चाताप और बपतिस्मा लेना ही पर्याप्त है? या फिर इसके साथ कुछ और चिन्ह भी प्रकट होने चाहिए?

1. सच्चा नया जन्म पश्चाताप और बपतिस्मा से आरम्भ होता है

यीशु ने स्पष्ट कहा कि कोई भी परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता जब तक कि वह नए जन्म का अनुभव न करे:

मैं तुमसे सच कहता हूँ, जब तक कोई जल और आत्मा से जन्म नहीं लेता, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

यूहन्ना 3:5 (ERV-HI)

यह नया जन्म सच्चे पश्चाताप को शामिल करता है — अर्थात पाप से सचेत रूप से मुड़ना — और बपतिस्मा लेना, जल और पवित्र आत्मा दोनों में। परन्तु केवल पश्चाताप और बपतिस्मा ही अपने आप में यह सिद्ध नहीं करते कि कोई व्यक्ति नई सृष्टि बन गया है। शास्त्र सिखाता है कि विश्वास के साथ कर्म भी होने चाहिए:

किसी व्यक्ति के सचमुच नई सृष्टि बनने के चिन्ह क्या हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

वैसे ही विश्वास भी यदि उसके काम न हों तो वह अपने आप में मरा
हुआ है।

याकूब 2:17 (ERV-HI)

इसलिए नया जन्म सच्चे जीवन और आचरण में दिखाई देना चाहिए।

2. बदला हुआ जीवन नई सृष्टि का चिन्ह है

बहुत लोग सोचते हैं कि क्योंकि उन्होंने पश्चाताप किया और बपतिस्मा लिया, इसलिए वे स्वतः परमेश्वर द्वारा ग्रहण कर लिए गए हैं — भले ही उनका जीवन पहले जैसा ही बना हुआ है। पर बाइबल चेतावनी देती है कि अन्त समय में दो प्रकार के विश्वासियों होंगे: बुद्धिमान और मूर्ख।

यीशु ने यह चेतावनी दस कुँवारियों के दृष्टान्त में दी:

स्वर्ग का राज्य उन दस कुँवारियों के समान होगा जिन्होंने अपनी-अपनी दीपक लेकर दूल्हे से मिलने निकलीं। उनमें पाँच

किसी व्यक्ति के सचमुच नई सृष्टि बनने के चिन्ह क्या हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

मूर्ख थीं और पाँच बुद्धिमान।

मत्ती 25:1-2 (ERV-HI)

दोनों समूह कुँवारियाँ थीं — अर्थात विश्वासियों का चित्रण — और दोनों दूल्हे (मसीह) की प्रतीक्षा कर रही थीं। लेकिन केवल बुद्धिमानों के पास अतिरिक्त तेल था (पवित्र आत्मा की स्थायी उपस्थिति का प्रतीक), जबकि मूर्खों ने कुछ नहीं रखा। जब आधी रात को दूल्हा आया, तो मूर्ख तैयार नहीं थे और बाहर रह गए।

यह दृष्टान्त दर्शाता है कि सभी विश्वासियों में से हर कोई तैयार नहीं होगा जब मसीह लौटेंगे। केवल वही जो पवित्र आत्मा का तेल अपने जीवन में बनाए रखते हैं, विवाह भोज में प्रवेश करेंगे।

3. नई सृष्टि का अर्थ है नया जीवन

यदि तुम सचमुच नई सृष्टि हो, तो तुम्हारा जीवन उसे दर्शाना चाहिए। बाइबल कहती है:

इसलिए यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें जाती रहीं, देखो, सब कुछ नया हो गया है।

किसी व्यक्ति के सचमुच नई सृष्टि बनने के चिन्ह क्या हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

2 कुरिन्थियों 5:17 (ERV-HI)

जैसे ही तुम नया जन्म पाते हो, तुम्हें पुराना जीवन छोड़ना होता है:

यदि तुम अनैतिक थे, तो अब पवित्रता में चलो।

यदि तुम चोर थे, तो अब ईमानदारी से जीओ।

यदि तुम अश्लीलता या हस्तमैथुन में फँसे थे, तो अब पवित्रता में रहो।

यदि तुम गाली देते, झूठ बोलते, रिश्वत लेते, अशुद्ध संगीत सुनते या जादू-टोना करते थे — तो यह सब अब छोड़ना होगा।

नई सृष्टि होने का अर्थ है पूरी तरह बदला हुआ जीवन। तुम संसार की चीज़ों से चिपके रहकर दावा नहीं कर सकते कि तुम फिर से जन्मे हो।

जो उसमें बना रहता है वह पाप नहीं करता; जो कोई पाप करता है

किसी व्यक्ति के सचमुच नई सृष्टि बनने के चिन्ह क्या हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

उसने न तो उसे देखा है और न ही जाना है।

1 यूहन्ना 3:6 (ERV-HI)

4. आत्मिक परिपक्वता एक यात्रा है

प्रेरित पौलुस ने अपनी अद्भुत मन-परिवर्तन के बाद भी स्वयं को सिद्ध नहीं माना, बल्कि आगे बढ़ते रहे:

यह नहीं कि मैं पहले ही प्राप्त कर चुका हूँ या पहले ही
सिद्ध हो गया हूँ; पर मैं उस वस्तु को पकड़ने के लिए दौड़ता हूँ, क्योंकि मसीह यीशु ने मुझे पकड़ा है। … जो पीछे है उसे भूलकर और जो आगे है उसकी ओर बढ़कर।

फिलिप्पियों 3:12–13 (ERV-HI)

यद्यपि उसने कभी कलीसिया को सताया था, पौलुस का जीवन पूरी तरह बदल गया। उसने सब कुछ मसीह के लिए त्याग दिया। यही नई सृष्टि का अर्थ है: पुराने जीवन से मुड़ना और मसीह का पूरी तरह अनुसरण करना।

किसी व्यक्ति के सचमुच नई सृष्टि बनने के चिन्ह क्या हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp